प्रेस विज्ञप्ति

मराठी साहित्यकार भालचंद्र नेमाड़े और हिंदी लेखक ज्ञानरंजन को मुंबई में 'आकाशदीप'

- **28 दिसंबर को दिए जाएंगे शब्द सम्मान**
- **दोनों मनीषियों को अर्पित होगी पांच-पांच लाख रुपये की राशि,वर्ष के श्रेष्ठ कृतिकार भी होंगे अलंकृत**

नई दिल्ली। मराठी के विख्यात कवि-उपन्यासकार **भालचंद्र नेमाडे** और हिंदी के प्रख्यात कथाकार और संपादक **ज्ञानरंजन** को 28 दिसंबर की शाम मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित वाय बी चव्हाण सेंटर में आयोजित भव्य समारोह में अमर उजाला शब्द सम्मान के सर्वोच्च अलंकरण-आकाशदीप से नवाजा जाएगा। भारतीय भाषाओं के सामूहिक स्वप्न के सम्मान में अमर उजाला फाउंडेशन ने शब्द सम्मानों की स्थापना की है ताकि भारत की समस्त भाषाओं में बंधुत्व को प्रोत्साहित किया जा सके। दोनों मनीषियों को लेखन-जीवन के समग्र अवदान के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। मशहूर शायर-फ़िल्मकार गुलज़ार उन्हें ये अलंकरण प्रदान करेंगे । गत वर्ष यह सम्मान डॉ. नामवरसिंह को हिंदी के लिए और गिरीश कारनाड (कन्नड़) को हिन्दीतर भाषा में विलक्षण योगदान के लिए दिया गया था। इसी समारोह में निर्णय किया गया था कि हिंदी के साथ हिंदीतर भाषा के जिस रचनाकार को आजीवन शब्द साधना के लिए सम्मान मिलेगा, उस भाषा-प्रदेश की राजधानी में समारोह होगा। नेमाड़े के मराठी में अतुलनीय योगदान के चलते , महाराष्ट्र की राजधानी में यह आयोजन हो रहा है।

सर्वोच्च आकाशदीप अलंकरण हिंदी और एक अन्य भारतीय भाषा में एक-एक साहित्य मनीषी को अर्पित किया जाता है। अलंकरण में पांच-पांच लाख रुपये की राशि , प्रशस्ति पत्र और गंगा प्रतिमा सम्मिलित है। सम्मान की घोषणा पर कवि-उपन्यासकार भालचंद्र नेमाडे ने इसे मानवीय सभ्यताओं के विचार और भाषिक संस्कृति के मूल्यवान साझे की निरंतरता का सम्मान निरूपित किया है। वहीं, कथाकार ज्ञानरंजन ने कहा कि ये सम्मान रचनाधर्मिता के स्वतंत्र मिजाज का अभिनंदन हैं ।

समारोह में, वर्ष 2018 की श्रेष्ठ हिंदी कृतियों के लिए भी एक-एक लाख के शब्द सम्मान दिए जाएंगे इसमें पहली किताब और अनुवाद के लिए भी विशेष सम्मान हैं। 'छाप' श्रेणी में कथा (उपन्यास) वर्ग के शब्द सम्मान हेतु **ज्ञान चतुर्वेदी** के उपन्यास **'पागलखाना'** को और कविता वर्ग में **गगन गिल** के संग्रह **'मैं जब तक आई बाहर'** को चुना गया है। कथेतर वर्ग में 'छाप' सम्मान **सुनीता बुद्धिराजा** की कृति **'रसराज : पंडित जसराज'** को दिया जाएगा । किसी भी रचनाकार की पहली किताब पर दिया जाने वाला 'थाप', **अंबर पांडेय** की कृति **'कोलाहल की कविताएं'** को दिया जाएगा । भारतीय भाषाओं में अनुवाद के लिए दिया जाने वाला भाषा-बंधु सम्मान, प्रख्यात रचनाकार शंख घोष की बांग्ला गद्य कृति **'निःशब्द की तर्जनी '** के हिंदी अनुवाद लिए **उत्पल बैनर्जी** को प्रदान किया जाएगा। इन कृतियों को प्रख्यात कथाकार अब्दुल बिस्मिल्लाह, विख्यात कवि अरुण कमल, वरिष्ठ आलोचक नंदकिशोर आचार्य, सुप्रसिद्ध कवयित्री अनामिका तथा प्रसिद्ध समीक्षक ज्योतिष जोशी के उच्चस्तरीय निर्णायक मंडल ने अपनी कसौटी पर परखा है। उच्च मानदंडों को बनाए रखने के लिए यह निर्णायक मंडल प्रतिवर्ष नियमानुसार परिवर्तित होता है।

अमर उजाला शब्द सम्मान , देश के सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी दैनिकों में शामिल अमर उजाला प्रकाशन समूह द्वारा प्रवर्तित अमर उजाला फाउंडेशन ने स्थापित किए हैं। इस वर्ष आकाशदीप से अलंकृत भालचंद्र नेमाड़े का मराठी साहित्य पर गहरा प्रभाव है। कोसला और हिन्दू जैसी अप्रतिम कृतियों ने उन्हें समय के श्रेष्ठतम सर्जकों में शामिल कर दिया है। हिंदी के लिए आकाशदीप से सम्मानित ज्ञानरंजन जबर्दस्त कथाकार हैं और 'पहल' पत्रिका के जरिये उन्होंने तीन पीढ़ियों को वैचारिकता से दीक्षित किया है। संयोग है कि दोनों का जन्म महाराष्ट्र में हुआ है।

अमर उजाला फाउंडेशन

shabdsamman.amarujala.com

shabdsamman@amarujala.com

संयोजक, अमर उजाला शब्द सम्मान, सी 21-22, सेक्टर-59, नोएडा-201301

यशवंत व्यास

समूह सलाहकार-अमर उजाला